अनुशीर्षक

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

जैविक कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम [वार्षिक]

संकाय– कृषि

सत्र– 2018–19

14/5/18 14.5.18 14/5/18

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

जैविक कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
(वार्षिक)

विषय कोड	विषय का नाम	सैद्धांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
जैविक कृषि.1	जैविक कृषि अवधारणा एवं प्रबंधन	70	30	100
जैविक कृषि.2	जैविक फसल उत्पादन एवं जैविक आदान	70	30	100
जैविक कृषि.3	जैविक कृषि व पशु प्रबंधन	70	30	100
जैविक कृषि.4	जैविक आदानों का व्यावसायिक उत्पादन	70	30	100
जैविक कृषि.5	जैविक फसल पद्धति का प्रमाणीकरण	70	30	100
जैविक कृषि.6	प्रायोगिकी	–	–	50
जैविक कृषि.7	परियोजना कार्य	–	–	50
			कुल अंक	600

14/5/18 14/5/18 14/5/18

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि–1

जैविक कृषि अवधारणा एवं प्रबंधन

इकाई–1

जैविक कृषि परिचय, इतिहास, सिद्धांत, पारंपरिक कृषि ज्ञान, महत्व एवं संरक्षण, जैविक कृषि के प्रकार (कृषि/जुताई रहित/पंचगव्य/प्राकृतिक), आधुनिक भारत में जैविक कृषि की स्थिति/स्तर

इकाई–2

अग्निहोत्र, वैदिक कृषि, अमृत कृषि परिचय, महत्व, प्रबंधन, जीवाश्म प्रबंधन, मृदा प्रकार, मृदा स्वास्थ्य एवं संरक्षण, वर्षा जल संरक्षण

इकाई–3

वर्मी कल्चर, कम्पोस्ट खाद विधियां, नाडेप, इंदैर, बैगलौर आदि, जैविक खाद एवं सूक्ष्म जैव उत्पादन प्रौद्योगिकी, जैव सक्रिय उत्पाद का महत्व, कम्पोस्ट खाद बनाने की विधियां, नाडेप इंदैर बैंगलौर आदि

इकाई–4

हरि खाद की महत्वपूर्ण फसलें, बीजोत्पादन विधि, जैविक खाद, जैव सक्रिय उत्पाद का महत्व, उपयोगिता, बीजोपचार की जैविक विधियां, परंपरिक एवं परिवर्धित बीज, जैविक बीज परिभाषा, महत्व, उत्पादन तकनीकि एवं बीजांकुरण परीक्षण

इकाई–5

वैदिक कृषि पचांग, विभिन्न जैविक विधियों से जैविक बीज उपचार, पौध निर्माण तकनीक एवं पौध प्रबंधन

प्रायोगिकी

मिट्टी परीक्षण नमूने एकत्र करना, व्यावसायिक स्तर पर जैविक खाद उत्पादन इकाईयों का भ्रमण, वर्मीकल्चर, वर्मी वास बनाने की विधि, कम्पोस्ट बनाने की विधियां– नोडेप इंदौर, बंगलौर की विधि, विभिन्न विधियों से जैविक बीज उपचार

14/5/18 14/5/18 14/5/18

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि–2

जैविक फसल उत्पादन एवं संरक्षण

इकाई–1

मुख्य खरीफ फसलें (सोयाबीन, मूंग, तुअर) की जैविक उत्पादन कृषि कार्यशाला

मुख्य रबी फसलें (गेहूं,चना) की जैविक उत्पादन कृषि कार्यशाला

इकाई–2

मुख्य सब्जियों (लौकी, कद्दू, टमाटर, आलू आदि) जैविक कृषि कार्यशाला

मुख्य फसलदार वृक्षों (आम, अमरूद, नींबू) जैविक कृषि कार्यशाला

इकाई–3

फसल उत्पादन में फसल- चक्र, अंतर्वर्ती फसीलें एवं उनका महत्व, जैविक पौध संरक्षण, महत्व एवं प्रबंधन, जैविक विधियों से खरपतवार प्रबंधन

इकाई–4

सस्य तथा यांत्रिक क्रियाओं द्वारा जैविक पौध प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रतिरोधी जातियों का प्रबंधन, कीट तथा रोगों के प्रबंधन में वनस्पतियों का महत्व,

इकाई–5

रोग पैदा करने वाले जीवाणु व फफूंद की संरचना का अध्ययन, विषाणुओं व रोगों के लक्षण, जविक विधि से एकीकृत रोग प्रबंधन

इकाई–5

सस्य तथा यांत्रिक क्रियाओं द्वारा जैविक पौध प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रतिरोधी जातियों का प्रबंधन, कीट तथा रोगों के प्रबंधन में वनस्पतियों का महत्व

प्रायोगिकी

प्रक्षेत्रों पर रासायनिक व जैविक फसलां (खरीफ, रबी), सब्जियों एवं फलदार वृक्षों का अवलोकन, धान के खेतों में शैवालों और अजोला के उपयोग का अवलोकन, रोग ग्रसित पौधों का कृषि प्रक्षेत्रों से संग्रह, विषाणुओं व रोगों के लक्षण, कृषि प्रक्षेत्रों में कीट व उनके परभक्षी का ज्ञान एवं अवलोकन

14/5/18 14/5/18 14/5/

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि-3

जैविक कृषि एवं पशु प्रबंधन

इकाई-1

पशुपालन परिचय, कृषि व पशुपालन, सहअस्तित्व का सिद्धान्त एवं विषय संबंधी परिभाषायें, भारत में गोवंश, उसका आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक महत्व एवं गो-वंश विविधता, जैविक एवं आधुनिक पशुपालन : सिद्धान्त, उद्देश्य, विधियाँ, उपयोगिता एवं पशु स्वास्थ्य

इकाई-2

दुधारू पशु (गाय, भैंस) की विशेष परिचर्यायें : गर्भवती, सामान्य प्रसव, प्रसूता की परिचर्या एवं नवजात की देखभाल, दुधारू पशु (गाय, भैंस) प्रजनन एवं स्वास्थ्य, नवजत पशु की देखभाल, अच्छे दुधारू पशुओं के लक्षण एवं उनका मानकीकरण

इकाई-3

आदर्श पशुपालन आवास, दुधारू पशुओं हेतु संतुलित आहार का महत्व, आहार सामग्रियां तथा उनकी गुणवत्ता, चारागाह व चारा संरक्षण, दुधारू पशुओं (गाय, भैंस) की विभिन्न प्रजातियों की पहचान एवं विशेषताएं

इकाई-4

रोगी व स्वस्थ पशु (गाय, भैंस) की बाह्य पहचान, दुधारू पशुओं के प्रमुख रोग उनका नियंत्रण एवं निदान, पशुपालन में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान

इकाई-5

दुग्ध उत्पादों का सुरक्षित भण्डारण, व्यावसायीकरण एवं विपणन समस्याऐं, दुग्ध उत्पादों का परीक्षण, मानकीकरण एवं प्रमाणीकरण, गाय के गोबर एवं गैमूत्र का उपयोगिता (कीट नाशक एवं तरल खाद्य) एवं औषधीय महत्व।

प्रायोगिकी

बाह्य संरचना के आधार पर गाय, भैंस की विभिन्न नस्लों की पहचान व विशेषतायें, बंधियाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, गोशाला भ्रमण के दौरान प्रसव अवलोकन, कृत्रिम गर्भाधान व गर्भ निदान का अवलोकन तथा गर्भवती की बाह्य पहचान, प्रमुख दूग्ध उत्पादों की पहचान एवं सुरक्षित भंडारण

14/5/18 14/5/18 14/5/18

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि-4

जैविक आदानों का व्यावसायिक उत्पादन

इकाई-1

जैविक आदानों का कृषि में महत्व, उनके व्यावसायिक उत्पादन में शासकीय सहयोग, जैविक खाद एवं उनके प्रकार एवं उनके उत्पादन की तकनीक, जैविक विघटन को नियंत्रित करने वाले कारक,

इकाई-2

कम्पोस्ट उत्पादन की प्रमुख विधियों से व्यवसायिक स्तर पर जैविक खाद की उत्पादन तकनीक, वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधियाँ व सावधानियाँ। वर्मी कम्पोस्ट की विस्तृत जानकारी एवं मिट्टी भक्षक केचुओं का कृषि प्रक्षेत्र में महत्व, व्यावसायिक स्तर पर उत्पादन तकनीक

इकाई-3

जैव सक्रिय उत्पाद तथा उनका जैविक खेती में योगदान, विभिन्न जैविक नाशीजीव का परिचय, उनका महत्व व व्यावसायिक उत्पादन की तकनीक, हरी खाद की फसलों का महत्व एवं व्यवसायिक स्तर पर बीज उत्पादन

इकाई-4

गाय के गोबर एवं गोमूत्र की उपयोगिता, पंचगव्य का परिचय, उपयोग, उसके संगठक व उत्पादन/बनाने की विधियाँ व उपयोग, कृषि व पशुपालन, सहअस्तित्व का सिद्धांत

इकाई-5

जैव उत्पादों का विपणन प्रबन्धन (विभिन्न माध्यमों के द्वारा प्रचार प्रसार एवं सहकारी समितियों द्वारा विपणन व्यवस्था), जैव उत्पादों के विरणन में आने वाली समस्यायें तथा उनका निदान

प्रायोगिकी

व्यापारिक उत्पादन के लिए आवश्यक संयंत्रों का प्रारम्भिक ज्ञान व मूल्य का आकलन, जैव खादों एवं कम्पोस्ट की उत्पादन तकनीकों का अवलोकन, वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन एवं केचुओं का देखभाल, हरी खादों के बीज उत्पादन एवं फसलों का प्रक्षेत्र में अवलोकन, पंचगव्य उत्पादन इकाईयों का भ्रमण, दूध के भण्डारण हेतु दूध के उत्पाद एवं बाजार, प्रमुख जैविक खेती केन्द्र का भ्रमण

14/5/18 14/5/18 14/5/

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि–5

जैविक फसल पद्धति का प्रमाणीकरण

इकाई–1

प्रमाणीकरण परिचय एवं महत्व की आवश्यकता। प्रदेश, देश एवं विश्व स्तर पर प्रमाणीकरण परिदृश्य, मानक एवं नियामक नियंत्रक, कृषक पंजीयन, प्रमाणीकरण प्रक्रिया एवं उत्पाद पर प्रमाणीकरण चिन्ह लगाना

इकाई–2

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम– कार्यक्षेत्र, संरचना, जैविक उत्पादन हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानक, जैविक उत्पादकों, प्रमाणीकरण संस्थाओं एवं विक्रेताओं से आकड़े एकत्रकर तुलनात्मक अध्ययन

इकाई–3

जैविक खाद नीति का खेतों में परिपालन का अध्ययन एवं उपयुक्त जैविक खेती में जैविक उत्पादों का रूपान्तरण सिद्धान्त मानक, जैविक खाद नीति – सिद्धान्त एवं मानक

इकाई–4

प्रसंस्करण विधियाँ– पैकेजिंग व लेवलिंग की उपयोगिता, मान्य मानक व सैद्धान्तिक आवश्यकता, जैविक उर्वरकों की पैकेजिंग, जैविक विपणन एवं निर्यात

इकाई–5

प्रमाणीकरण संस्थाओं की निरीक्षण प्रक्रिया, निर्यात हेतु उत्पादित जैविक उत्पादों में बरती जाने वाली सावधानियां व संभावित देशों के मान्य मानक

प्रायोगिकी

जैविक उत्पादों, प्रमाणीकरण सस्थाओं एवं विक्रेताओं से आंकडे एकत्र की तुलनात्मक अध्ययन, जैविक खाद नीति का खेतों में परिपालन का अध्ययन एवं उपयुक्त सुझाव, जैविक उर्वरकों के पैकेजिंग का अध्ययन, जैविक फसल निरीक्षण प्रक्रिया का अध्ययन

14/5/18 14/5/18 14/5/18

Scanned with CamScanner

विषय कोड : जैविक कृषि–6

विषय : परियोजना कार्य

डिप्लोमा कार्यक्रम में अध्ययन किये गय जैविक कृषि के किसी एक विषय पर विस्तार से वृहद गंभीर अध्ययन करना व शोधलघु ग्रंथ रूप में जमा करना।

14/5/18 14/5/18 14/5/

Scanned with CamScanner